भारत सरकार

इस्पात मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3679

04 अप्रैल, 2022 को उत्तर के लिए

इस्पात कबाड़ का पुनर्चक्रण

3679. श्रीमती शांता क्षत्री:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में इस्पात कबाड़ के पुनर्चक्रण के संबंध में क्या उपाय किए गए हैं;

(ख) इससे घरेलू स्तर पर सृजित इस्पात कबाड़ की उपलब्धता को बढ़ाने में किस सीमा तक सहायता मिली है; और

(ग) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

इस्पात मंत्री **(श्री राम चन्द्र प्रसाद सिंह)**

(क): इस्पात स्क्रैप पुनर्चक्रण नीति को दिनांक 07 नवंबर, 2019 को भारत के राजपत्र में अधिसूचित किया गया था। इस नीति में विभिन्न स्रोतों से उत्पन्न फेरस स्क्रैप के वैज्ञानिक प्रसंस्करण एवं पुनर्चक्रण हेतु भारत में धातु स्क्रैप केन्द्रों की स्थापना को सुविधाजनक बनाने एवं प्रोत्साहित करने के लिए एक रूपरेखा प्रदान की गई है। इस नीति की रूपरेखा में प्रदूषण को रोकने और स्वास्थ्य संबंधी खतरों की रोकथाम करने के लिए संगठित, सुरक्षित और पर्यावरण की दृष्टि से उचित तरीकों से संग्रहण, विघटन एवं श्रेडिंग गतिविधियों हेतु मानक दिशा-निर्देशों का प्रावधान किया गया है।

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने वाहन स्क्रैपिंग नीति तैयार की है, जिसमें पुराने, अनुपयुक्त प्रदूषणकारी वाहनों को चरणबद्ध रूप से हटाने के लिए एक पारिस्थितिक तंत्र के निर्माण हेतु प्रोत्साहन और निरुत्साहन प्रणाली शामिल है।

भारत सरकार ने पर्यावरण एवं मानव स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना परिसंकटमय और अन्य अपशिष्टों का पर्यावरण अनुकूल तरीकों से सुरक्षित भंडारण, प्रशोधन और निपटान सुनिश्चित करने के लिए परिसंकटमय और अन्य अपशिष्ट (प्रबंधन और सीमापारीय संचलन) [एचओडब्ल्यूएम] नियम, 2016 को अधिसूचित किया है।

इस्पात मंत्रालय के नियंत्रणाधीन केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के एक उपक्रम (सीपीएसई), एमएसटीसी लिमिटेड ने महिन्द्रा एसेलो, जो महिन्द्रा एमएसटीसी रिसाइकिलिंग प्राइवेट लिमिटेड (सीईआरओ) के नाम से जाना जाता है, के साथ एक संयुक्त उद्यम के तहत वाहनों तथा व्हाइट गुड्स के लिए 3 संग्रहण और विघटन केन्द्रों की स्थापना की है।

(ख) और (ग): इस्पात स्क्रैप पुनर्चक्रण नीति की रूपरेखा में स्क्रैप के आयात पर निर्भरता कम करने हेतु इस्पात उत्पादन और आयात के प्रतिस्थापन के लिए घरेलू स्तर पर उत्पन्न स्क्रैप की अधिक उपलब्धता को सुविधाजनक बनाने के लिए समर्थकारी प्रावधान किए गए हैं। विगत 3 वर्षो के लिए और अप्रैल-फरवरी 2021-2022 के दौरान देश में स्क्रैप के आयात संबंधी आंकड़ों से प्रदर्शित होता है कि स्क्रैप का आयात घट गया है जो निम्नानुसार है:

इस्पात स्क्रैप	
वर्ष	**आयात (मिलियन टन में)**
2018-19	6.56
2019-20	6.57
2020-21	5.57
स्रोत: संयुक्त संयंत्र समिति (जेपीसी)	

****